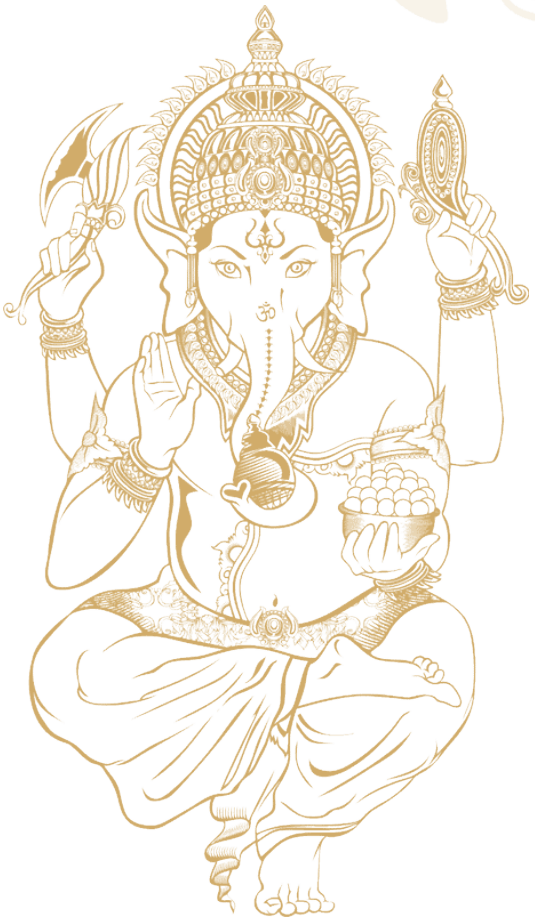

Mr.

25 Sep 2007

02:24 AM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119480203

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
24-25/09/2007	जन्म तिथि	**24/09/2025**
सोम-मंगलवार	दिन	बुधवार
घंटे 02:24:00	जन्म समय	16:58:48 घंटे
घटी 50:34:16	जन्म समय(घटी)	27:00:27 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:10:17	सूर्योदय	06:10:37
18:14:43	सूर्यास्त	18:15:09
23:58:01	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:03

कर्क	लग्न	कुम्भ
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	शनि
कुम्भ	राशि	तुला
शनि	राशि-स्वामी	शुक्र
शतभिषा	नक्षत्र	स्वाति
राहु	नक्षत्र स्वामी	राहु
2	चरण	1
शूल	योग	ऐन्द्र
तैतिल	करण	तैतिल
सा-सात्विक	जन्म नामाक्षर	रु-रूपा
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
शूद्र	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
अश्व	योनि	महिष
राक्षस	गण	देव
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
मेष	वर्ग	मृग
18	गत/तत्कालिक वर्ष	19

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
आश्लेषा	1	17:26:10	कर्क		
उ०फाल्गुनी	4	07:27:44	कन्या		
शतभिषा	2	10:46:03	कुंभ		
मृगशिरा	4	04:06:00	मिथु		
चित्रा	3	02:53:28	तुला		
ज्येष्ठा	1	19:24:19	वृश्चि		
आश्लेषा	4	27:09:38	कर्क		
मघा	3	08:45:37	सिंह		
शतभिषा	2	13:00:55	कुंभ		
मघा	4	13:00:55	सिंह		
पू०भाद्रपद	1	22:08:59	कुंभ	व	

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			कुंभ	11:51:09	2	शतभिषा
सूर्य			कन्या	07:27:44	4	उ०फाल्गुनी
चंद्र			तुला	07:01:05	1	स्वाति
मंगल			तुला	07:13:44	1	स्वाति
बुध		अ	कन्या	16:18:04	2	हस्त
गुरु			मिथु	27:24:04	3	पुनर्वसु
शुक्र			सिंह	11:50:27	4	मघा
शनि	व		मीन	04:02:27	1	उ०भाद्रपद
राहु	व		कुंभ	24:06:07	2	पू०भाद्रपद
केतु	व		सिंह	24:06:07	4	पू०फाल्गुनी
मु			मक	17:26:10	3	श्रवण

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:03

लग्न-चलित

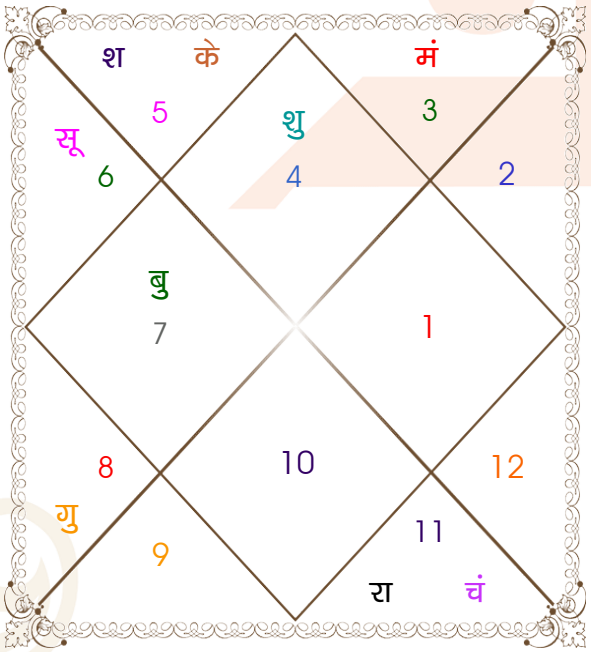

वर्ष लग्न कुंडली

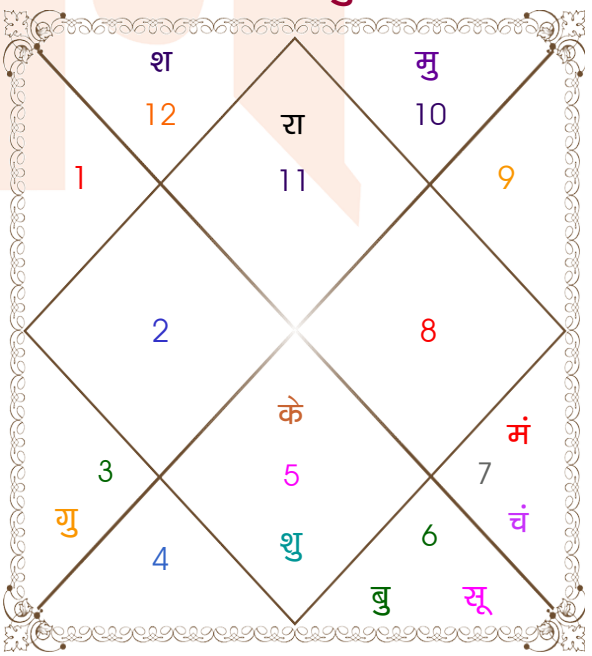

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - बुध - सूर्य	
10/09/2025 14:28	
21/10/2025 23:57	
सूर्य	12/09/2025 16:09
चंद्र	16/09/2025 02:56
मंगल	18/09/2025 12:53
राहु	24/09/2025 17:55
गुरु	30/09/2025 06:23
शनि	06/10/2025 19:41
बुध	12/10/2025 16:25
केतु	15/10/2025 02:22
शुक्र	21/10/2025 23:57

गुरु - बुध - चंद्र	
21/10/2025 23:57	
29/12/2025 23:45	
चंद्र	27/10/2025 17:56
मंगल	31/10/2025 18:31
राहु	11/11/2025 02:54
गुरु	20/11/2025 07:40
शनि	01/12/2025 05:50
बुध	11/12/2025 00:24
केतु	15/12/2025 01:00
शुक्र	26/12/2025 12:58
सूर्य	29/12/2025 23:45

गुरु - बुध - मंगल	
29/12/2025 23:45	
16/02/2026 06:49	
मंगल	01/01/2026 19:22
राहु	09/01/2026 01:13
गुरु	15/01/2026 11:46
शनि	23/01/2026 03:17
बुध	29/01/2026 23:29
केतु	01/02/2026 19:06
शुक्र	09/02/2026 20:16
सूर्य	12/02/2026 06:13
चंद्र	16/02/2026 06:49

गुरु - बुध - राहु	
16/02/2026 06:49	
20/06/2026 11:15	
राहु	06/03/2026 21:53
गुरु	23/03/2026 11:16
शनि	12/04/2026 03:10
बुध	29/04/2026 17:24
केतु	06/05/2026 23:16
शुक्र	27/05/2026 16:00
सूर्य	02/06/2026 21:01
चंद्र	13/06/2026 05:24
मंगल	20/06/2026 11:15

गुरु - बुध - गुरु	
20/06/2026 11:15	
08/10/2026 20:32	
गुरु	05/07/2026 04:29
शनि	22/07/2026 15:58
बुध	07/08/2026 07:16
केतु	13/08/2026 17:49
शुक्र	01/09/2026 03:22
सूर्य	06/09/2026 15:50
चंद्र	15/09/2026 20:36
मंगल	22/09/2026 07:08
राहु	08/10/2026 20:32

गुरु - बुध - शनि	
08/10/2026 20:32	
16/02/2027 22:33	
शनि	29/10/2026 14:39
बुध	17/11/2026 04:20
केतु	24/11/2026 19:51
शुक्र	16/12/2026 16:12
सूर्य	23/12/2026 05:30
चंद्र	03/01/2027 03:40
मंगल	10/01/2027 19:11
राहु	30/01/2027 11:05
गुरु	16/02/2027 22:33

गुरु - केतु - केतु	
16/02/2027 22:33	
08/03/2027 19:49	
केतु	18/02/2027 02:24
शुक्र	21/02/2027 09:56
सूर्य	22/02/2027 09:48
चंद्र	24/02/2027 01:34
मंगल	25/02/2027 05:25
राहु	28/02/2027 05:00
गुरु	02/03/2027 20:38
शनि	06/03/2027 00:12
बुध	08/03/2027 19:49

गुरु - केतु - शुक्र	
08/03/2027 19:49	
04/05/2027 15:25	
शुक्र	18/03/2027 07:05
सूर्य	21/03/2027 03:16
चंद्र	25/03/2027 20:54
मंगल	29/03/2027 04:26
राहु	06/04/2027 16:59
गुरु	14/04/2027 06:47
शनि	23/04/2027 06:42
बुध	01/05/2027 07:52
केतु	04/05/2027 15:25

गुरु - केतु - सूर्य	
04/05/2027 15:25	
21/05/2027 16:30	
सूर्य	05/05/2027 11:52
चंद्र	06/05/2027 21:57
मंगल	07/05/2027 21:49
राहु	10/05/2027 11:11
गुरु	12/05/2027 17:44
शनि	15/05/2027 10:30
बुध	17/05/2027 20:27
केतु	18/05/2027 20:19
शुक्र	21/05/2027 16:30

गुरु - केतु - चंद्र	
21/05/2027 16:30	
19/06/2027 02:18	
चंद्र	24/05/2027 01:19
मंगल	25/05/2027 17:05
राहु	29/05/2027 23:21
गुरु	02/06/2027 18:15
शनि	07/06/2027 06:13
बुध	11/06/2027 06:48
केतु	12/06/2027 22:34
शुक्र	17/06/2027 16:12
सूर्य	19/06/2027 02:18

गुरु - केतु - मंगल	
19/06/2027 02:18	
08/07/2027 23:33	
मंगल	20/06/2027 06:08
राहु	23/06/2027 05:43
गुरु	25/06/2027 21:21
शनि	29/06/2027 00:55
बुध	01/07/2027 20:32
केतु	03/07/2027 00:23
शुक्र	06/07/2027 07:55
सूर्य	07/07/2027 07:47
चंद्र	08/07/2027 23:33

गुरु - केतु - राहु	
08/07/2027 23:33	
29/08/2027 02:48	
राहु	16/07/2027 15:38
गुरु	23/07/2027 11:16
शनि	31/07/2027 13:35
बुध	07/08/2027 19:27
केतु	10/08/2027 19:02
शुक्र	19/08/2027 07:34
सूर्य	21/08/2027 20:56
चंद्र	26/08/2027 03:12
मंगल	29/08/2027 02:48

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप कफ तथा शीतादि रोगों से कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी अशान्त तथा व्याकुल रहेगी। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके संबंध मधुर नहीं रहेंगे फलतः आपसी सहयोग एवं सुख के भाव में न्यूनता रहेगी तथा यदा कदा संबंधों में तनाव भी उत्पन्न होगा जिससे परस्पर कष्ट प्राप्त होगा। इस समय दुष्ट मनष्यों तथा चोर आदि से भी परेशानी होगी तथा घर में किसी चोरी की संभावना बनेगी। अतः आपको ऐसे समय में सावधान रहना चाहिए। इस समय आपकी पारिवारिक सुख शान्ति भी अच्छी नहीं रहेगी तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से संबंधों में तनाव रहेगा फलतः उनसे विशेष सुख एवं सहयोग की प्राप्ति नहीं होगी तथा दाम्पत्य जीवन भी प्रभावित रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष प्रतिकूल रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी तथा आपके लाभ मार्ग भी अवरूद्ध होंगे। इसके साथ ही नौकरी या राजनीति में भी कार्य संबधी परेशानी रहेगी तथा पदोन्नति में विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे। इस समय उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ सहयोगियों से भी आपके संबंध अच्छे नहीं रहेंगे तथा ये लोग आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। अतः ऐसे समय में इनकी उपेक्षा न करें तथा आज्ञा पालन में तत्परता रखें।आपकी आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी। इसके अतिरिक्त यात्रा आदि में भी हानि तथा कष्ट की संभावनाएं बनेगी अतः ऐसे समय में यात्रा की उपेक्षा करें। अतः इस वर्ष को आप अत्यंत ही शान्तिपूर्वक व्यतीत करें तथा समय के बीतने की प्रतीक्षा करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शारीरिक कष्ट से आप समय समय पर परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मन में भी असन्तुष्टि तथा अप्रसन्नता का भाव विद्यमान रहेगा। इस वर्ष आपका व्यय अधिक होगा तथा लाभ अल्प मात्रा में रहेगा।इस समय अन्यंत्र भी धनहानि की संभावना रहेगी अतः आर्थिक स्थिति में विषमता रहेगी तथा यदा कदा समस्याएं भी उत्पन्न होंगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय विशेष आस्था नहीं रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों के प्रति आपकी उपेक्षा बनी रहेगी। इस वर्ष में आप सद्मित्रों का साथ अल्प ही करेंगे तथा दुष्ट व्यक्तियों से आपकी प्रीति बढ़ेगी। अपने स्वजनों तथा बन्धुवर्ग से भी आपके मन में विशेष स्नेह तथा सहयोग के भाव की अल्पता रहेगी जिससे इनसे भी आपको अल्प सहयोग एवं सुख प्राप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से भी वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आपको इस क्षेत्र में समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपके वरिष्ठ नेता तथा उच्चाधिकारी असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे जिससे पदोन्नति में बाधाएं उत्पन्न होंगी। व्यापार आदि में भी इस समय विशेष लाभ नहीं होंगा अपितु हानि की ही संभावनाएं रहेंगी।अतः इस समय कोई नवीन कार्य प्रारंभ न करें तथा अपने सहयोगी या साझेदार से भी सावधान रहें। इसके अतिरिक्त इस समय भूमि या जायदाद संबधी हानि या परेशानी भी हो सकती है। अतः संयम एवं शान्तिपूर्वक समय को व्यतीत करें।